Shri Agrasen Kanya Post Graduate College
Bulanala/Parmanandpur Varanasi

Department of Hindi (UG)

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (P'SOS)

* बी. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'हिन्दी काव्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में

जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

* बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के 'कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर' प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर

हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।

* बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के हिन्दी गद्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों,कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण

प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

* बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के 'हिन्दी अनुवाद' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य

के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

* बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'साहित्यशात्त्र और हिन्दी आलोचना' के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्य शास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय-क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना|

* बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रशपत्र 'हिन्दी का राष्ट्रय काव्य' के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।